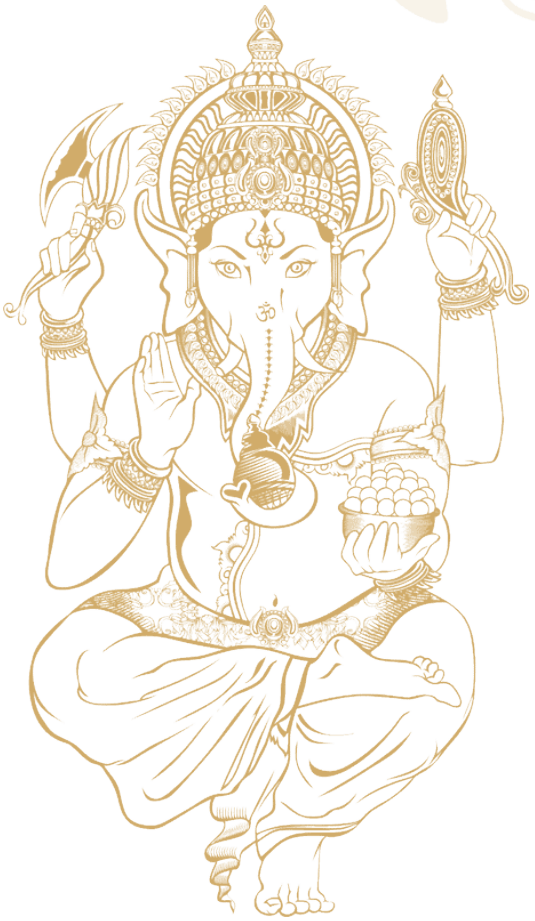

sudha

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121319001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121319001 Date: 18/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26-27/11/1991	जन्म तिथि	12/04/1992
मंगल-बुधवार	दिन	रविवार
घंटे 00:10:00	जन्म समय	15:50:00 घंटे
घटी 42:51:04	जन्म समय(घटी)	24:34:21 घटी
India	देश	India
Una	स्थान	Una
31:28:00 उत्तर	अक्षांश	31:28:00 उत्तर
76:19:00 पूर्व	रेखांश	76:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:44	स्थानिक संस्कार	-00:24:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:01:34	सूर्योदय	06:00:15
17:21:53	सूर्यास्त	18:51:17
23:44:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:14

सिंह	लग्न	सिंह
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
कर्क	राशि	कर्क
चन्द्र	राशि-स्वामी	चन्द्र
पुष्य	नक्षत्र	आश्लेषा
शनि	नक्षत्र स्वामी	बुध
4	चरण	3
ब्रह्म	योग	शूल
गर	करण	गर
डा-डालचंद	जन्म नामाक्षर	डे-डेम
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
विप्र	वर्ण	विप्र
जलचर	वश्य	जलचर
मेष	योनि	मार्जार
देव	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
श्वान	वर्ग	श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 1वर्ष 1मा 12दि		11:48:59	सिंह	लग्न	सिंह	20:55:48	बुध 5वर्ष 7मा 17दि	
शुक्र		10:15:22	वृश्चि	सूर्य	मीन	29:00:31	सूर्य	
08/01/2017		15:52:56	कर्क	चंद्र	कर्क	25:35:01	29/11/2024	
08/01/2037		04:36:27	वृश्चि	मंगल	कुंभ	18:08:21	29/11/2030	
शुक्र	09/05/2020	00:09:10	धनु	बुध	मीन	05:25:00	सूर्य	18/03/2025
सूर्य	10/05/2021	19:04:58	सिंह	गुरु व	सिंह	11:23:46	चन्द्र	17/09/2025
चन्द्र	08/01/2023	25:20:59	कन्या	शुक्र	मीन	12:34:10	मंगल	23/01/2026
मंगल	09/03/2024	08:39:58	मक	शनि	मक	23:03:03	राहु	17/12/2026
राहु	10/03/2027	16:36:16	धनु	राहु व	धनु	09:45:46	गुरु	06/10/2027
गुरु	08/11/2029	16:36:16	मिथु	केतु व	मिथु	09:45:46	शनि	17/09/2028
शनि	08/01/2033	17:57:15	धनु	हर्ष	धनु	24:13:27	बुध	24/07/2029
बुध	09/11/2035	21:14:20	धनु	नेप	धनु	25:11:11	केतु	29/11/2029
केतु	08/01/2037	27:05:21	तुला	प्लूटो व	तुला	28:35:54	शुक्र	29/11/2030

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:44:54 चित्रपक्षीय अयनांश 23:45:14

लग्न-चलित

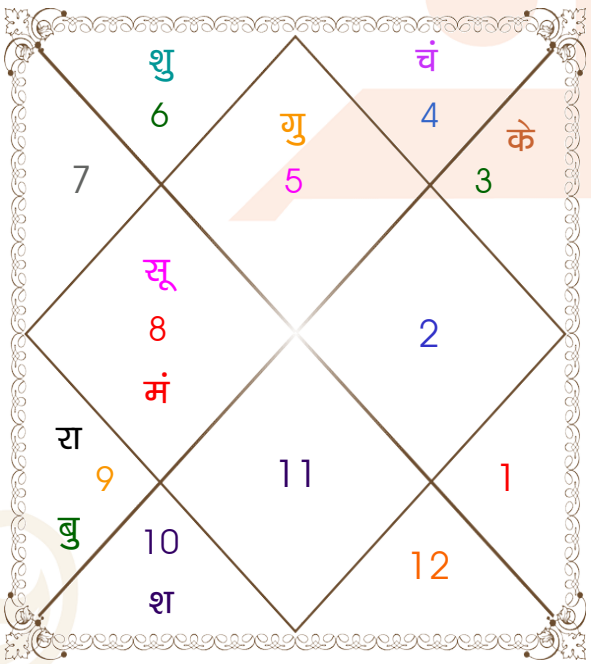

लग्न-चलित

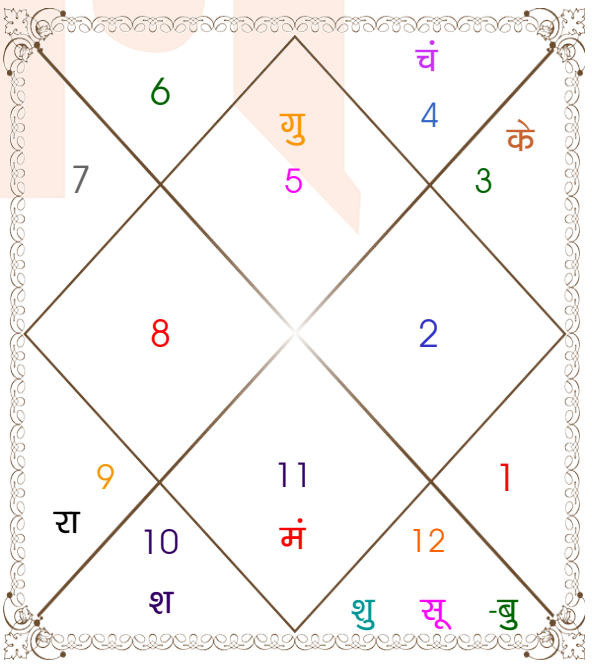

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	मार्जार	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.00		

कुल : **30 / 36**

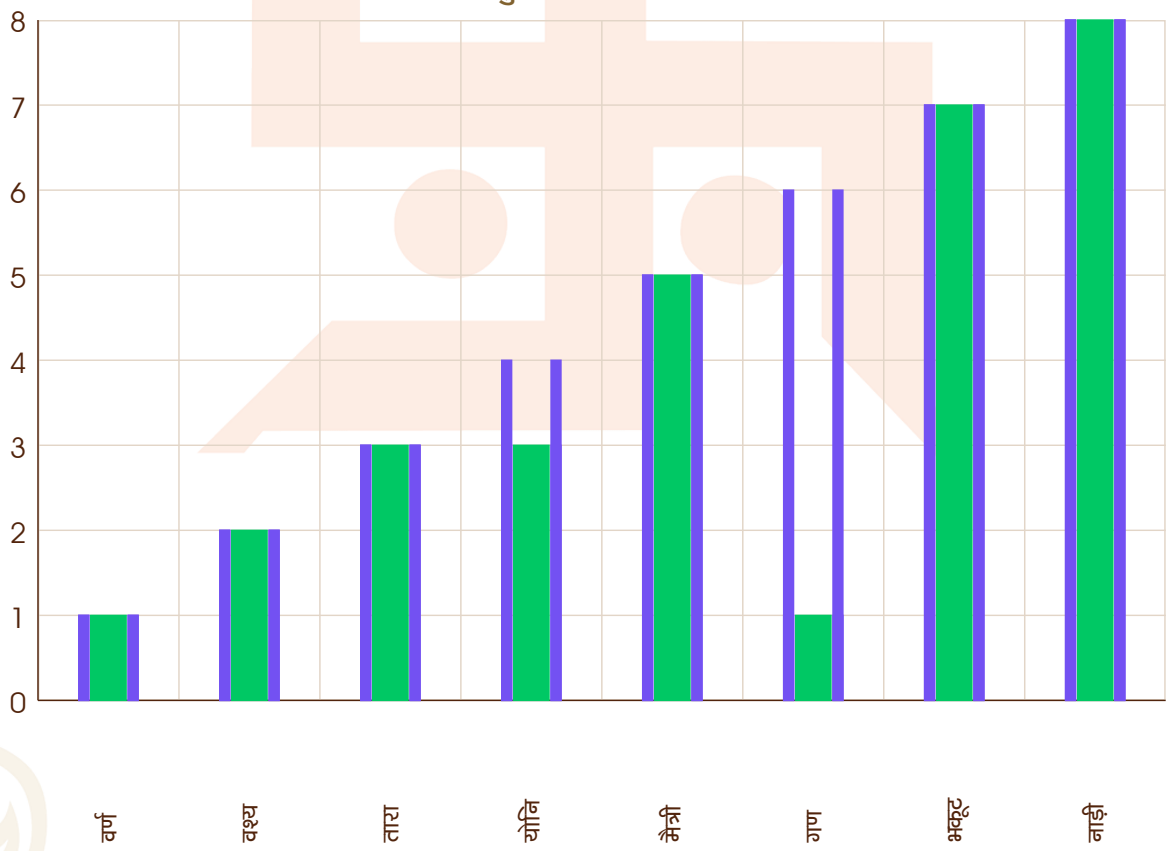

अष्टकूट मिलान

। का वर्ग श्वान है तथा sudha का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर ।म है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार। और sudha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

। मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, ।प्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल। कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्र;डडम्गंवूदक्मइ;0ख्द्त्र1ख्दझ क्योंकि मंगल । कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

sudha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में ।प्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि sudha कि कुण्डली में ।प्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में । एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें

भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष ।माप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि sudha कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में। एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष ।माप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि। कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

। तथा sudha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

। का वर्ण ब्राह्मण तथा sudha का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदतें, पसन्द एवं नापसंद ।भी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल ।बित होंगे तथा दोनों हमेशा ।माजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की ।हायता करेंगे।

वश्य

। का वश्य जलचर है एवं sudha का वश्य भी जलचर है अर्थात दोनों का वश्य ।मान ही है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों की शारीरिक स्थिति, स्वभाव, पसंद एवं नापसंद एक ही तरह के होंगे। दोनों के बीच अगाध प्रेम एवं ौहार्द बना रहेगा तथा ।मान दृष्टिकोण, व्यवहार एवं आपसी ।मझ होने के कारण एक-दूसरे के ।थ ुखी जीवन व्यतीत करेंगे। ऐसा प्रतीत होगा कि दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हुए हैं तथा एक-दूसरे के ।थ का आनंद लेते रहेंगे। दोनों एक-दूसरे के कामों में मदद करते रहेंगे तथा परिवार की प्रगति एवं ।मृद्धि में महती योगदान देंगे।

तारा

। की तारा अतिमित्र तथा sudha की तारा ।म्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी ।मृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। ।थ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली ।बित होंगे।। हमेशा sudha के ।थ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं ।फल होंगे।

योनि

। की योनि मेष है तथा sudha की योनि मार्जार है। अर्थात दोनों की योनि ।मान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का ।बंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में ौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को ।हयोग करेंगे। आपसी ।मझ एवं विश्वा। की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में ।भी कार्य आपसी ।हमति े करेंगे एवं उनमें ।फलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के ुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये ोत बनेंगे तथा अच्छी आय के ।थ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में ुख ।मृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं ौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसू। करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। ।थ ही ।भी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों े उत्पन्न ितानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में ।फलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में

सफलता इनके कदम चूमेगी। इ। प्रकार इनका वैवाहिक जीवन ुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में । एवं sudha दोनों के राशि स्वामी ।मान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार े अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि े यदि । एवं sudha दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा ।थ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का ।हयोग करते रहेंगे। इनका प्रया। रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति ।बित कर ।कें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, ।फल एवं यशस्वी होंगे।

गण

। का गण देव तथा sudha का गण राक्ष। है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में sudha निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो ।कती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के ।दस्यों के लिए बुरा एवं घातक ।बित हो ।कता है। ऐसी पत्नी े अपेक्षा नहीं की जा ।कती कि वह अपने पति, परिवार अथवा ।माजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार े निर्वहन करेंगी। sudha की अक्सर दूसरों े लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

। एवं sudha दोनों की राशि एक ।मान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान । एवं sudha तथा परिवार के चतुर्दिक विका। के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - ौभाग्य, ।म्पत्ति, ।माज में मान-सम्मान तथा योग्य ंतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

। की नाड़ी मध्य है तथा sudha की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी ।मान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि े दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का ।मन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में ंतुलन आवश्यक है। जिसके कारण । एवं sudha के बीच ।हचर्य, ुख एवं ।मृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी ंतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

। और sudha दोनों की राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है। अतः इनमें स्वभावगत ।मानताएं रहेंगी तथा जीवन भी आनंद पूर्वक व्यतीत होगा। उनमें परस्पर स्नेह ।हानुभूति एवं आकर्षण का भाव भी विद्यमान रहेगा। अतः मिलान शुभ रहेगा।

। और sudha दोनों की राशि का स्वामी चन्द्रमा है। यह स्थिति ुखद दाम्पत्य जीवन के लिए अत्यंत ही शुभ मानी जाती है। इसके प्रभाव े। और sudha दोनों भावुक बुद्धिमान तथा आप। में ।मंजस्य स्थापित करने वाले होंगे तथा प्रेम पूर्वक अपना वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। इनके जीवन मूल्य एवं सिद्धातों में ।मानता रहेगी अतः ।मय ुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

। और sudha की राशियां परस्पर प्रथम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव े। भविष्य की योजनाओं में इनको ।फलता मिलेगी। यद्यपि sudha की महत्वाकांक्षाएं प्रबल नहीं होगी तथापि अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूर्ण करने में ।फल रहेंगी। । और sudha निस्वार्थ भाव े। एक दूसरे के प्रति ।हयोग एवं ।मानता का भाव रखेंगे तथा एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे जीवन में प्रसन्नता बनी रहेगी।

। और sudha दोनों का वश्य जलचर है। अतः इसके प्रभाव े। इनकी शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर पूर्ण ।मता रहेगी तथा अभिरूचियों में भी अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण आकर्षण तथा आत्मीयता का भाव रहेगा। ।थ ही कामभावनाओं में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं ।न्तुष्ट करने में ।मर्थ रहेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की मधुरता बनी रहेगी ।

। और sudha दोनों का वर्ण ब्राह्मण है। अतः शैक्षणिक क्षेत्र शास्त्रीय विषय या धर्म ।बधी कार्य कलापों में दोनों की रूचि रहेगी तथा कार्य क्षमता भी बराबर रहेगी। ।थ ही जीवन के सिद्धांत एवं मूल्यों में भी एक रूपता रहेगी जिससे । और sudha का जीवन ुख शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

धन

। का जन्म अतिमित्र तथा sudha का ।म्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव े। sudha एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा sudha के शुभ प्रभाव े। उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर ।म रहेगा। अतः स्वपरिश्रम े। ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में ।मर्थ रहेंगे। ।थ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इ। प्रकार । और sudha आरामदायक जीवन व्यतीत करने में ।मर्थ होंगे।

। और sudha को लाटरी, ।ट्टे या अन्य ्रोतों। अनाया। धन प्राप्ति की ।भावना होगी। ।ाथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक ।साधनों का वे उपभोग करने में ।फलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में ।मर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

। की नाड़ी मध्य तथा sudha की नाड़ी अन्त्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में जन्म होने के कारण नाड़ी दोष के प्रभाव। मुक्त रहेंगे अतः गंभीर शारीरिक कष्ट।ुरक्षित रहेंगे लेकिन मंगल का दोनों के स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव नहीं रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु ।बंधी रोगों। परेशानी की अनुभूति करेंगे। ।ाथ ही ।भोग क्रिया में भी दोनों शिथिलता तथा उदासीनता प्रदर्शन का करेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के।ुख में अल्पता की अनुभूति होगी। इसके अतिरिक्त sudha के गर्भपात की भी ।भावना रहेगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता करने के लिए। और sudha दोनों को हनुमान की उपासना, मंगलवार के उपवा। तथा मूंगा आदि धारण करना चाहिए। इससे अशुभ प्रभावों में न्यूनता तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि।। और sudha का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव। उन्हें उचित ।मय पर ।तति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। ।ाथ ही बच्चों के जन्म में भी ।ामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग। करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त। और sudha के पुत्र एवं कन्या ।तति की ।ख्या ।मान होगी।

प्रसव के विषय में sudha के मन में पहले। ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन sudha को इ। विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा ।ामान्य रूप। गर्भावस्था का ।मय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में sudha को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा।ुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में ।फल होंगी। ।ाथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष।। और sudha सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता। उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। ।ाथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य ।म्पन्न नहीं करेंगे। इ। प्रकार। और sudha का पारिवारिक जीवन।ुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

sudha के अपने ।ा। से ।ामान्य ।बध रहेंगे तथा परस्पर ।ामंजस्य। मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता। ।माधान करने में दोनों को ।फलता प्राप्त होगी। ।ाथ ही sudha यत्नपूर्वक ।ा। की।ुख।ुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी ।ेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ।सुर। पूर्ण स्नेह एवं ।हानुभूति अर्जित करने में sudha को कठिनाई का

सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ॰ ।मय ।मय पर ।मस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों॰ ।बधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं ।हानुभूति प्राप्त होगी।

इ। प्रकार sudha को ।सुराल में ।मान्य रूप॰ अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का ।मना करके वह ।मंजस्य स्थापित करने में ।फल हो ।केंगी।

ससुराल-श्री

। के अपनी ।। से मधुर ।बंध रहेंगे तथा आपसी ।मंजस्य॰ इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। ।। को । अपनी माता के ।मान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी॰वा तथा ुख ुविधा का भी ध्यान रखेंगे। ।थ ही ।मय ।मय पर ।पत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे ।बंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के ।थ भी। के ।बंधों में मधुरता रहेगी। ।थ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी ।बंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। ।थ ही ।ली एवं ।लों॰ भी ।बंधों में मित्रता ।हानुभूति तथा ।हयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे॰ औपचारिक ।बंध रहेंगे।

इ। प्रकार ।सुराल के लोगों का दृष्टिकोण। के प्रति ।म्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार॰ प्रसन्न तथा ।न्तुष्ट रहेंगे।